वस्त्र आयुक्त कार्यालय के प्रकाशन

"वस्त्र संबंधी प्रौद्योगिकी नवाचार" के बारे में बौद्धिक परिचर्चा अधिवेशन

प्रौद्योगिकी नवीनता ने किसी भी उद्योग के विकास में सदैव ही अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है और वस्त्र उद्योग भी इसका अपवाद नहीं है । वस्त्र उद्योग में वृद्धि की दिशा के निर्धारण में वस्त्र उद्योग में होने वाले नवीन शोधों (प्रौद्योगिकी के बारे में विशेषकर) अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है । वैश्वीकरण के युग में प्रौद्योगिकी के नवाचार के महत्व को ध्यान में रखते हुए नई दिल्ली में "वस्त्र के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी नवाचार " विषय पर बौद्धिक प्रचण्डतायुक्त एक पूर्ण दिवसीय सत्र दिनांक 30 अप्रैल 2004 को सम्पन्न हुआ । इस सत्र का मुख्य उद्देश्य"वस्त्र के क्षेत्र में होने वाले प्रौद्योगिकी नवाचार " के तहत वस्त्र संबंधित संगठनों में प्रौद्योगिकी संबंधी नवीन शोधों के बारे में जागरूकता फैलाना तथा इन शोधों का वस्त्र व्यापार के क्षेत्र में किस प्रकार से व्यवसायिक उपयोग किया जा सके इस पर विचार करना था। इस अधिवेशन में जाने-माने शिक्षाषिद, वस्त्र उद्योग जगत के विशेषज्ञों एवं वस्त्र मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया । एक दिवसीय अधिवेशन में दस (10) वक्ताओं ने इसमें तीन वस्त्र उद्योग जगत से संबंधित में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया । वस्त्र के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की नवाचार के मुख्य संभावित क्षेत्रों के लिए गंभीर एवं अत्यंत महत्वपूर्ण चर्चा हुई जिसमें वस्त्र के क्षेत्र में शोध किए जा सकने वाले क्षेत्र तथा उन शोधों की भविष्य में दिशा क्या हो, इस पर चर्चा की गई । विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा किए गए प्रजेन्टेशनों का संकलन का निर्णय वस्त्र उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों के संदर्भ के लिए उपयुक्त समझा गया । यह संकलन वस्त्र उद्योग के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा ।

प्रकाशन का मूल्य प्रति कॉपी 125.00 रू. है